विद्याभवन ,बालिका विद्यापीठ, लक्खीसराय

रूपम कुमारी🍂 वर्ग-दशम् 🍂विषय-हिन्दी

दिनांक-२८/७/२०.

N.C.E.R.T pattern

🍂 अध्ययन-सामग्री 🍂

हरी-भरी वसुंधरा के चित्रकार, परमपिता परमेश्वर का आभार, इस संकल्प के साथ कि उसकी बनाई प्रकृति के संरक्षण की ज़िम्मेदारी हमारी है, और हम इसे यथाशक्ति निभाएंगे 🙏🌏
#WorldNatureConservationDay

हरी-भ
आभार
के संर
यथाश
#Wor

<u>सुप्रभात बच्चों, आज का दिन थोड़ा खास है</u>

, क्योंकि आज का दिन हमें एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को याद दिलाने वाला दिन है। अक्सर इस जिम्मेदारी को निभाने से हम चूक जाते हैं।

आज पठन-पाठन के अंतर्गत हम उपवाक्य और उसके भेदों की चर्चा करेंगे जो कि मिश्र वाक्य के लिए जरूरी है।.

उपवाक्य- वह पदसमूह जो किसी वाक्य का एक अर्थपूर्ण भाग होता तथा जिसमें उद्देश्य और विधेय होता है (क्योंकि मिश्र वाक्य की रचना भी उपवाक्यों से होती है, इसलिए उपवाक्य को जानना जरूरी होता है) ।

उपवाक्य के भेद -. प्रधान उपवाक्य एवं आश्रित उपवाक्य. (इन दोनों उपवाक्यों के मेल से ही मिश्र वाक्य की रचना होती है) ।

प्रधान उपवाक्य: प्रधान उपवाक्य की क्रिया ही मुख्य-क्रिया होती है ।

इसके बिना आश्रित उपवाक्य अर्थहीन होता है । प्रधान उपवाक्य की पहचान के लिए मिश्र वाक्य को सरल में बदलें और तब जो क्रिया वाक्य के अंतर्गत में बनेगा , मिश्र वाक्य में उस क्रिया वाला भाग ही मुख्य उपवाक्य होगा ।

जैसे- मोहन परिश्रमी करता तो अवश्य सफल होता (ये मिश्र वाक्य का उदाहरण है) अब

इसमें प्रधान को पहचानने के लिए हम इसे सरल वाक्य में बदल देंगे । जैसे –

मोहन परिश्रमी करने पर अवश्य सफल होता ।. गौर करें कि परिश्रमी करता क्रिया बदल कर परिश्रमी करने पर बन गई । लेकिन ,सफल होता ज्यों का त्यों बना रहा ।

इस प्रकार , अवश्य सफल होता प्रधान उपवाक्य और मोहन परिश्रम करता आश्रित उपवाक्य हो गया ।

आश्रित उपवाक्य को पहचानने का तरीका-

अधिकांश आश्रित उपवाक्य की शुरूआत – कि ,जो ,जिसे ,यदि ,क्योंकि आदि से होता है लेकिन हमेशा नहीं । ऊपर के वाक्य में हमने

देखा कि आश्रित उपवाक्य की शुरूआत मोहन से हुई है ।

अब आश्रित उपवाक्य के भेद को जानना होगा ,क्योंकि परीक्षा में इससे संबंधित प्रश्न भी पीछे जाते हैं ।

आश्रित उपवाक्य के भेद:.

संज्ञा उपवाक्य

-विशेषण उपवाक्य

क्रियाविशेषण उपवाक्य

नोट : मिश्र वाक्य का निर्माण प्रधान उपवाक्य और आश्रित उपवाक्य के मिलने से होता है । इसलिए हमें दोनों उपवाक्यों को समझना होगा ।

अब हम संज्ञा उपवाक्य को पढ़ेंगे -

जो उपवाक्य प्रधान उपवाक्य की किसी संज्ञा या संज्ञा-पदबंध के -स्थान पर प्रयुक्त होता है ,उसे संज्ञा उपवाक्य कहते हैं ।

जैसे – राम ने कहा कि हम लड़ाई नहीं चाहते (यह मिश्र वाक्य है) अब हम गौर करेंगे तो पाएँगे कि प्रधान उपवाक्य - राम ने कहा के बदले आश्रित उपवाक्य में हम लड़ाई नहीं चाहते प्रयुक्त हुआ है । यानि राम के बदले हम का प्रयोग । अतः हम लड़ाई नहीं चाहते वाला भाग संज्ञा उपवाक्य है ।

जो भी सामग्री दी गई है, उसे ध्यानपूर्वक पढ़ें व समझें तथा अपनी कॉपी में लिखें तथा नीचे दिए गए प्रश्नाभ्यास को पूरा करेंगे ।

मिश्र वाक्य के किन्हीं पाँच उदाहरणों को लिखें ।

निम्नलिखित मिश्र वाक्यों में से प्रधान उपवाक्य और आश्रित उपवाक्य को छाँटकर अलग करें ।

- मैंने देखा कि विद्यालय में चहल-पहल है ।
- जो परिश्रम करते हैं ,उन्हीं को सफलता मिलती है ।
- मैं जानती हूँ कि यह काम करना सबके लिए कठिन है ।
- वह ,जो सामने खड़ा है ,मेरा बेटा है ।
- प्रधान न्यायधीश ने कहा कि फैसला दस दिन बाद- आएगा ।

शेष कल ..... ये जरूर बताइएगा कि क्या नहीं समझ पाए ।